



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 49-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 3, 2024 (AGRAHAYANA 12, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 19 नवम्बर, 2024

संख्या 12/250-सोलह राही-2024/पुरा/3946-52.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250-सोलह राही -2024/पुरा/2321-27, दिनांक 3 जुलाई, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:-

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
सोलह राही तालाब 18वीं शताब्दी पूर्व	सोलह राही तालाब 18वीं शताब्दी पूर्व	रेवाड़ी	रेवाड़ी	लाल डोरा (नगर परिषद)	33 कनाल - 5 मरला	निजी स्वामित्व (राज कुमार, प्रेम कुमार एवं अन्य)	सोलह राही तालाब, रेवाड़ी शहर के सेक्टर-1 के पास और नेहरू पार्क के बगल में स्थित एक बड़ा तालाब है, जिसका निर्माण 17वीं और 18वीं शताब्दी में मुगल काल के दौरान भीड़-फंडिंग द्वारा किया गया था। रेवाड़ी हमेशा से पानी की कमी वाला शहर रहा है और इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए सार्वजनिक कार्यों के हिस्से के रूप में तालाबों की एक श्रृंखला का निर्माण किया गया था। इसके अलावा, शहर की जल आपूर्ति खारी थी और इस प्रकार पीने योग्य पानी की सुविधा के लिए स्थानीय लोग इस तालाब के आसपास बने कुओं पर निर्भर रहते थे। इस तालाब का निर्माण गंगाराम भगत के तत्वावधान में करवाया गया था। सोलह राही नाम का वास्तविक अर्थ है, वह स्थान जहां 16 रास्ते मिलते हैं।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 19th November, 2024

No. 12/250-Solah Rahi-2024/pura/3946-52.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250- Solah Rahi-2024/pura/2321-27, dated the 3rd July, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Solah Rahi Talab, 18th Century CE	Solah Rahi Talab, 18th Century CE	Rewari	Rewari	Lal Dora (Municipal Council)	33 Kanal 05 Marla	Private ownership (Raj Kumar, Prem Kumar and etc.)	Solah Rahi Talab located near Sector 1 in Rewari town, and next to Nehru Park is a large pond that was constructed by crowd-funding during the Mughal era in the 17th and 18th centuries. Rewari has always been a water-scarce town, and to overcome these hardships, a series of ponds were constructed as part of public works. Moreover, the town's water supply was salty, and thus for potable water facilities, locals used to rely on wells made around this pond. This pond was built under the aegis of Gangaram Bhagat. The name Solah Rahi actually means, a place where 16 paths meet.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.